बैंक समाधन विवरण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» बैंक समाधान विवरण का परिचय और आवश्यकता

प्रश्न 1 (आसान). अगर तुम्हारी रोकड़ बही में बैंक बैलेंस ₹20,000 है और पासबुक में ₹18,000 है, तो क्या इसका मतलब हमेशा ये होता है कि बैंक ने गलती की है?

उत्तर – नहीं, ज़रूरी नहीं कि बैंक ने गलती की हो। अंतर के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कोई चेक अभी तक बैंक में जमा न हुआ हो।

प्रश्न 2 (आसान). बैंक समाधान विवरण क्यों बनाया जाता है?

उत्तर – यह रोकड़ बही और पासबुक के बीच के अंतर को जानने और समझाने के लिए बनाया जाता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). मान लो, तुमने अपनी रोकड़ बही में बैंक में ₹5,000 जमा करने की एंट्री कर दी, लेकिन असल में बैंक जाना भूल गए। इससे रोकड़ बही और पासबुक के शेष पर क्या असर पड़ेगा?

उत्तर – रोकड़ बही में बैंक बैलेंस ₹5,000 ज़्यादा दिखेगा, जबकि पासबुक में यह एंट्री न होने के कारण ₹5,000 कम दिखेगा। ये एक अंतर का कारण होगा।

प्रश्न 4 (कठिन). एक व्यापारी ने ₹10,000 का चेक जारी किया (यानि किसी को दिया), जिसे उसने अपनी रोकड़ बही में तुरंत 'घटा' दिया। लेकिन जिस व्यक्ति को चेक दिया गया था, उसने अभी तक उसे बैंक में जमा नहीं किया है। इस स्थिति में रोकड़ बही और पासबुक के शेष में क्या अंतर आएगा?

उत्तर – रोकड़ बही में ₹10,000 कम दिखेंगे (क्योंकि चेक जारी कर दिया गया है), जबकि पासबुक में अभी भी ₹10,000 ज़्यादा दिखेंगे (क्योंकि चेक अभी तक बैंक में प्रस्तुत नहीं हुआ)।

» रोकड़ बही और पासबुक में अंतर के कारण: समय अंतराल

प्रश्न 5 (आसान). अगर आपने आज बैंक में कैश जमा किया, पर बैंक की एंट्री कल हुई, तो आज रोकड़ बही और पासबुक में क्या फर्क होगा?

उत्तर – आज रोकड़ बही में बैलेंस बढ़ा हुआ दिखेगा, पासबुक में नहीं।

प्रश्न 6 (आसान). आपने किसी को चेक दिया, उसने अभी तक बैंक में जमा नहीं किया। आपकी रोकड़ बही और पासबुक में क्या अंतर होगा?

उत्तर – आपकी रोकड़ बही में बैलेंस कम दिखेगा, पासबुक में नहीं।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर बैंक ने गलती से आपके खाते में ₹2,000 जमा कर दिए और आपको इसकी जानकारी नहीं है, तो क्या यह समय अंतराल का कारण है? क्यों?

उत्तर – नहीं, यह समय अंतराल का कारण नहीं है। यह एक 'त्रुटि' (error) है, क्योंकि बैंक ने गलती की है, न कि किसी लेन-देन को रिकॉर्ड करने में देरी हुई है।

प्रश्न 8 (कठिन). आपकी रोकड़ बही में बैंक बैलेंस ₹25,000 है। आपने ₹7,000 का चेक बैंक में जमा किया जो अभी तक क्लियर नहीं हुआ है। आपने ₹4,000 का एक चेक इश्यू किया जो अभी तक बैंक में प्रस्तुत नहीं हुआ है। आपकी पासबुक का बैलेंस कितना होना चाहिए, अगर कोई अन्य अंतर नहीं है?

उत्तर – सही पासबुक बैलेंस ₹22,000 होना चाहिए। (₹25,000 - ₹7,000 + ₹4,000 = ₹22,000)

» समय अंतराल के कारण: निर्गमित चेक प्रस्तुत नहीं हुए

प्रश्न 9 (आसान). अगर आपने ₹1000 का चेक जारी किया, लेकिन प्राप्तकर्ता ने उसे अभी तक बैंक में जमा नहीं किया, तो रोकड़ बही का बैलेंस पासबुक से कम होगा या ज्यादा?
उत्तर – कम होगा।

प्रश्न 10 (आसान). रोकड़ बही में चेक जारी करते ही एंट्री किस पक्ष में होती है?
उत्तर – जमा पक्ष (Credit side) में।

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर फर्म ने ₹5000 का चेक जारी किया और उसे रोकड़ बही के बैंक कॉलम में क्रेडिट किया, लेकिन पासबुक में कोई बदलाव नहीं हुआ, तो बैंक समाधान विवरण में इस अंतर को कैसे दिखाया जाएगा?
उत्तर – इस अंतर को 'निर्गमित चेक प्रस्तुत नहीं हुए' के रूप में दिखाया जाएगा। अगर हम रोकड़ बही के शेष से शुरुआत करते हैं, तो ₹5000 जोड़ना होगा। अगर हम पासबुक के शेष से शुरुआत करते हैं, तो ₹5000 घटाना होगा।

प्रश्न 12 (कठिन). फर्म ने 28 मार्च को ₹8000 और 30 मार्च को ₹4000 के दो चेक जारी किए। 31 मार्च को जब बैंक समाधान विवरण बनाया जा रहा था, तब ₹8000 वाला चेक बैंक में प्रस्तुत हो गया था, लेकिन ₹4000 वाला चेक नहीं। इस स्थिति में बैंक समाधान विवरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – केवल ₹4000 वाला चेक ही 'निर्गमित चेक प्रस्तुत नहीं हुए' के रूप में अंतर का कारण बनेगा, क्योंकि ₹8000 वाला चेक तो प्रस्तुत हो चुका था। फर्म की रोकड़ बही में ₹4000 कम दिख रहे होंगे, जबकि पासबुक में वे अभी भी दिख रहे होंगे। इसलिए, अगर रोकड़ बही से शुरू करते हैं, तो ₹4000 जोड़ा जाएगा।

» समय अंतराल के कारण: जमा किए गए चेक संग्रहित नहीं हुए

प्रश्न 13 (आसान). यदि रोकड़ बही का बैंक शेष ₹25,000 है और ₹5,000 के चेक जमा हुए पर संग्रहित नहीं हुए, तो पासबुक का शेष क्या होगा?
उत्तर – ₹20,000

प्रश्न 14 (आसान). जब हम कोई चेक बैंक में जमा करते हैं और वह तुरंत क्लियर नहीं होता, तो कौन-सी किताब पहले बढ़ती है?
उत्तर – रोकड़ बही

प्रश्न 15 (मध्यम). रवि की फर्म ने ₹12,000 का चेक बैंक में जमा किया। रोकड़ बही में तुरंत ₹12,000 जोड़ दिए गए, लेकिन बैंक ने अभी तक इसे क्लियर नहीं किया। यदि रवि की रोकड़ बही का शेष ₹60,000 है, तो पासबुक का शेष क्या है?
उत्तर – ₹48,000

प्रश्न 16 (कठिन). पूजा की रोकड़ बही का बैंक शेष ₹85,000 है। उसे ₹15,000 और ₹7,000 के दो चेक मिले और उसने उन्हें बैंक में जमा कर दिया। पहले चेक का संग्रह हो गया, लेकिन दूसरे चेक का अभी तक नहीं हुआ। पासबुक का शेष ज्ञात करें।
उत्तर – ₹85,000 (रोकड़ बही शेष) - ₹7,000 (संग्रहित न हुआ चेक) = ₹78,000

» समय अंतराल के कारण: बैंक द्वारा डेबिट/क्रेडिट किए गए आइटम

प्रश्न 17 (आसान). अगर बैंक ने आपके खाते में ₹200 ब्याज जमा किया है, और आपको अभी तक पता नहीं चला है, तो रोकड़ बही और पासबुक में से किसका बैलेंस ज़्यादा होगा?
उत्तर – पासबुक का बैलेंस ज़्यादा होगा।

प्रश्न 18 (आसान). आपके एक ग्राहक ने सीधे आपके बैंक खाते में ₹1000 जमा कर दिए। क्या इससे आपकी रोकड़ बही का बैलेंस बदल जाएगा?
उत्तर – नहीं, जब तक आपको इसकी जानकारी नहीं मिलेगी, रोकड़ बही का बैलेंस नहीं बदलेगा।

प्रश्न 19 (मध्यम). आपकी रोकड़ बही में ₹5000 का बैलेंस है। बैंक ने आपके टेलीफोन बिल के ₹500 का भुगतान सीधे कर दिया, और ₹20 बैंक शुल्क भी काट लिया। इन लेन-देन के बाद पासबुक में कितना बैलेंस दिखेगा, यदि आपको अभी तक इनकी जानकारी नहीं मिली है?

उत्तर – पासबुक में ₹4480 (5000 - 500 - 20) का बैलेंस दिखेगा।

प्रश्न 20 (कठिन). एक कंपनी की रोकड़ बही का बैंक कॉलम ₹12,000 का डेबिट बैलेंस दिखा रहा है। बैंक ने सीधे कंपनी के खाते में ₹1500 का लाभांश जमा किया है, और ₹80 का बैंक शुल्क भी डेबिट किया है। इन लेन-देन के लिए बी.आर.एस. बनाने के लिए आपको रोकड़ बही या पासबुक के बैलेंस में क्या समायोजन करना होगा, यदि कंपनी को अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिली है?

उत्तर – यदि हम रोकड़ बही के बैलेंस से शुरू करते हैं, तो लाभांश के ₹1500 जोड़ने होंगे और बैंक शुल्क के ₹80 घटाने होंगे। यदि पासबुक के बैलेंस से शुरू करते हैं, तो लाभांश के ₹1500 घटाने होंगे और बैंक शुल्क के ₹80 जोड़ने होंगे।

» समय अंतराल के कारण: अनादरित चेक/विपत्र

प्रश्न 21 (आसान). यदि 10,000 रुपये का जमा किया गया चेक अनादरित हो जाता है, तो पासबुक का शेष रोकड़ बही से _____ होगा।

उत्तर – कम

प्रश्न 22 (आसान). क्या अनादरित चेक हमारी रोकड़ बही और पासबुक में अंतर पैदा करता है?

उत्तर – हाँ

प्रश्न 23 (मध्यम). रोकड़ बही में 15,000 रुपये का शेष है। 2,000 रुपये का एक चेक बैंक में जमा किया गया और रोकड़ बही में दर्ज किया गया, लेकिन वह अनादरित हो गया। पासबुक का शेष क्या होगा यदि रोकड़ बही का शेष 15,000 रुपये ही माना जाए (यानी चेक को अलग से एडजस्ट करें)?

उत्तर – पासबुक का शेष 13,000 रुपये होगा (रोकड़ बही के 15,000 से 2,000 कम)

प्रश्न 24 (कठिन). रोकड़ बही का क्रेडिट शेष 5,000 रुपये है (ओवरड्राफ्ट)। हमने 3,000 रुपये का चेक जमा किया जिसे अनादरित कर दिया गया। बैंक पासबुक के अनुसार शेष क्या होगा?

उत्तर – बैंक पासबुक का शेष 8,000 रुपये क्रेडिट (ओवरड्राफ्ट) होगा, क्योंकि 3,000 रुपये का चेक जमा नहीं हुआ, जिससे ओवरड्राफ्ट और बढ़ गया।

» रोकड़ बही और पासबुक में अंतर के कारण: त्रुटियां

प्रश्न 25 (आसान). अगर आपने 500 रुपये बैंक में जमा किए और रोकड़ बही में 50 रुपये लिख दिए, तो यह कौन सी त्रुटि है?

उत्तर – फर्म द्वारा की गई त्रुटि (अभिलेखन में गलती)।

प्रश्न 26 (आसान). बैंक ने आपके खाते में गलती से किसी और का चेक जमा कर दिया। यह किसकी त्रुटि है?

उत्तर – बैंक द्वारा की गई त्रुटि।

प्रश्न 27 (मध्यम). फर्म ने बिजली के बिल का 2,500 रुपये का भुगतान चेक से किया, लेकिन रोकड़ बही में इसे 5,200 रुपये दर्ज कर दिया। रोकड़ बही के अनुसार शेष 30,000 रुपये है। BRS पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर – फर्म ने 2,500 की जगह 5,200 रुपये क्रेडिट (भुगतान) दिखाए, यानी 2,700 रुपये ज्यादा घटा दिए। इसका मतलब है कि रोकड़ बही का शेष 2,700 रुपये कम दिख रहा है। BRS में, 2,700 रुपये वापस जोड़ना होगा।

प्रश्न 28 (कठिन). एक ग्राहक ने सीधे बैंक में 15,000 रुपये जमा किए। हमने अपनी रोकड़ बही में गलती से 1,500 रुपये डेबिट कर दिए। बैंक पासबुक में सही 15,000 रुपये दर्ज हैं। यदि आप पासबुक के शेष से BRS शुरू करते हैं, तो इस त्रुटि का समाधान कैसे करेंगे?

उत्तर – पासबुक का शेष 15,000 रुपये से बढ़ गया है। हमारी रोकड़ बही में हमने 1,500 रुपये ही बढ़ाए हैं, यानी हमारी रोकड़ बही अभी 13,500 रुपये कम दिख रही है। अगर पासबुक से शुरू कर रहे हैं, तो पासबुक के शेष को रोकड़ बही के शेष तक लाने के लिए, हमें 13,500 रुपये घटाने होंगे (क्योंकि रोकड़ बही में कम दर्ज है)।

» बैंक समाधान विवरण का निर्माण: बिना समायोजन

प्रश्न 29 (आसान). अगर रोकड़ बही का शेष 10,000 रुपये है और 500 रुपये के चेक जारी किए गए लेकिन प्रस्तुत नहीं हुए, तो BRS में क्या करेंगे?
उत्तर – 500 रुपये जोड़ेंगे।

प्रश्न 30 (आसान). अगर रोकड़ बही का शेष 15,000 रुपये है और बैंक ने 200 रुपये ब्याज जमा किया जिसकी एंट्री रोकड़ बही में नहीं हुई, तो BRS में क्या करेंगे?
उत्तर – 200 रुपये जोड़ेंगे।

प्रश्न 31 (मध्यम). तुम्हारी रोकड़ बही में 30,000 रुपये हैं। तुमने 5,000 रुपये का चेक बैंक में जमा किया, लेकिन वो अभी तक जमा नहीं हुआ। बैंक ने 50 रुपये बैंक चार्ज काटे। बैंक समाधान विवरण में इन मदों का क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – 30,000 रुपये से शुरू। जमा किया गया चेक (जो अभी जमा नहीं हुआ) घटाएँ: -5,000 रुपये। बैंक चार्ज घटाएँ: -50 रुपये। कुल: 24,950 रुपये।

प्रश्न 32 (कठिन). अनुकूल शेष के बजाय अगर प्रतिकूल शेष (बैंक ओवरड्राफ्ट) से शुरुआत करनी हो तो मदों को जोड़ने और घटाने के नियम कैसे बदलेंगे?
उत्तर – नियम उलटे हो जाएंगे। जो मदें अनुकूल शेष में जोड़ी जाती थीं, वे घटाई जाएंगी और जो घटाई जाती थीं, वे जोड़ी जाएंगी।

» बैंक समाधान विवरण का निर्माण: बैंक अधिविकर्ष की स्थिति में

प्रश्न 33 (आसान). यदि रोकड़ बही के अनुसार बैंक अधिविकर्ष ₹5,000 है और बैंक द्वारा वसूला गया ब्याज ₹100 है, तो बैंक समाधान विवरण में ब्याज को क्या करेंगे?
उत्तर – ब्याज को अधिविकर्ष में 'जोड़ेंगे' (इसे (-) कॉलम में लिखेंगे, क्योंकि यह अधिविकर्ष को और बढ़ाता है)।

प्रश्न 34 (आसान). रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष ₹10,000 है। ₹500 का चेक बैंक में जमा कराया गया लेकिन अभी संग्रहित नहीं हुआ। इसका क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – इस ₹500 को अधिविकर्ष में 'जोड़ेंगे' ((-) कॉलम में लिखेंगे), क्योंकि रोकड़ बही में आपने अधिविकर्ष कम कर दिया, जबकि बैंक में अभी कम नहीं हुआ।

प्रश्न 35 (मध्यम). अग्रवाल ट्रेडर्स की रोकड़ बही ₹1,18,100 का अधिविकर्ष दर्शा रही थी। बैंक ने ग्राहक से ₹27,300 का सीधा भुगतान प्राप्त किया जिसकी कोई प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं है। बैंक समाधान विवरण में इसे कैसे समायोजित करेंगे?
उत्तर – ग्राहक द्वारा सीधा भुगतान प्राप्त होने से बैंक का अधिविकर्ष कम हो गया होगा। रोकड़ बही में यह प्रविष्टि नहीं है, इसलिए रोकड़ बही के अधिविकर्ष को बैंक के बराबर लाने के लिए ₹27,300 'घटाया' जाएगा (यानी (+) कॉलम में लिखा जाएगा)।

प्रश्न 36 (कठिन). यदि पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹20,000 है। अधिविकर्ष पर ब्याज ₹2,000 और बैंक द्वारा दी गई बीमा की किस्त ₹200 है। निर्गमित चेक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए ₹6,500 हैं, और जमा चेक जो अभी संग्रहित नहीं हुए ₹6,000 हैं। बैंक समाधान विवरण बनाइए। (पासबुक के अधिविकर्ष से शुरू करके रोकड़ बही तक पहुँचना है।)
उत्तर – 1. पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष: ₹20,000 (इसे (-) कॉलम में लिखो)।
2. अधिविकर्ष पर ब्याज: ₹2,000 (बैंक ने लगाया, रोकड़ बही में पता नहीं। पासबुक का अधिविकर्ष बढ़ा है, रोकड़ बही को बराबर लाने के लिए इसे 'घटाओ' यानी (+) कॉलम में लिखो)।
3. बैंक द्वारा दी गई बीमा की किस्त: ₹200 (बैंक ने चुकाई, रोकड़ बही में पता नहीं। पासबुक का अधिविकर्ष बढ़ा है, रोकड़ बही को बराबर लाने के लिए इसे 'घटाओ' यानी (+) कॉलम में लिखो)।
4. निर्गमित चेक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए: ₹6,500 (बैंक से अभी कटे नहीं, पासबुक का अधिविकर्ष कम है, रोकड़ बही को बराबर लाने के लिए इसे 'जोड़ो' यानी (-) कॉलम में लिखो)।
5. जमा चेक जो अभी संग्रहित नहीं हुए: ₹6,000 (बैंक में जमा नहीं हुए, पासबुक का अधिविकर्ष ज्यादा है, रोकड़ बही को बराबर लाने के लिए इसे 'घटाओ' यानी (+) कॉलम में लिखो)।
(+) कॉलम का कुल: ₹2,000 + ₹200 + ₹6,000 = ₹8,200।

(-) कॉलम का कुल: ₹20,000 + ₹6,500 = ₹26,500।
कुल (-) कॉलम बड़ा है, ₹26,500 - ₹8,200 = ₹18,300। यह रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष होगा।
(तो, रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष = ₹18,300)

» समायोजित रोकड़ बही की सहायता से बैंक समाधान विवरण

प्रश्न 37 (आसान). अगर बैंक ने ब्याज दिया और हमने उसे रोकड़ बही में दर्ज नहीं किया, तो समायोजित रोकड़ बही में इसे किस तरफ लिखा जाएगा?
उत्तर – क्रेडिट साइड में (अधिविकर्ष कम करने के लिए)

प्रश्न 38 (आसान). चेक जारी किया गया, लेकिन रोकड़ बही में लिखना भूल गए। इसे समायोजित रोकड़ बही में किस तरफ लिखेंगे?
उत्तर – डेबिट साइड में (अधिविकर्ष बढ़ाने के लिए)

प्रश्न 39 (मध्यम). एक चेक अनादरित हो गया जिसकी जानकारी केवल बैंक ने दी थी। समायोजित रोकड़ बही में इसका क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – अनादरित चेक से बैंक बैलेंस कम होता है, तो अधिविकर्ष बढ़ता है। इसे समायोजित रोकड़ बही के डेबिट साइड में रिकॉर्ड करेंगे।

प्रश्न 40 (कठिन). यदि समायोजित रोकड़ बही का अधिविकर्ष शेष 25,000 रु. है। 5,000 रु. के असंग्रहित चेक और 3,000 रु. के अप्रस्तुत चेक हैं। बैंक पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष शेष क्या होगा?
उत्तर – रोकड़ बही अधिविकर्ष 25,000 रु. + असंग्रहित चेक 5,000 रु. - अप्रस्तुत चेक 3,000 रु. = 27,000 रु. (बैंक पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष)

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मार्च 31 को, श्री रमेश की रोकड़ बही (बैंक कॉलम) 15,000 रुपये का शेष दिखा रही थी, जबकि उनकी पासबुक 12,000 रुपये का शेष दिखा रही थी। इस अंतर को समझाने की आवश्यकता है।

› सबसे पहले, हम रोकड़ बही के शेष को आधार मानेंगे: ₹15,000.

› अब हम उन लेन-देनों को ढूँढेंगे जिनकी वजह से अंतर है।

› पता चला कि श्री रमेश ने मार्च 28 को एक ₹3,000 का चेक जमा किया था, जिसे बैंक ने अभी तक हमारे खाते में 'जमा' नहीं किया है।

› हमारी रोकड़ बही में तो ये ₹3,000 जुड़ चुके हैं (₹15,000 + ₹3,000 = ₹18,000 अगर ये जुड़ जाते), लेकिन पासबुक में अभी ये जुड़े नहीं हैं, इसलिए पासबुक में कम दिख रहे हैं।

› तो, रोकड़ बही से पासबुक तक पहुँचने के लिए हमें इन ₹3,000 को घटाना होगा.

› अब देखो, ₹15,000 (रोकड़ बही) - ₹3,000 (चेक जो जमा नहीं हुआ) = ₹12,000. यह पासबुक के शेष से मिल गया!

› तो, इस तरह, हमें अंतर का कारण पता चल गया - वह चेक जो बैंक में जमा नहीं हुआ था।

› एक और स्थिति हो सकती थी, मान लो, हमने 5000 का चेक काटा और अपनी कैश बुक में घटा दिया, लेकिन वो चेक अभी बैंक में आया ही नहीं तो पासबुक में वो पैसे नहीं घटे होंगे। तो इस अंतर को दूर करने के लिए पासबुक से कैश बुक तक पहुँचने के लिए हमें 5000 जोड़ने होंगे।

› यह सिर्फ एक उदाहरण है, असल में कई कारण हो सकते हैं।

उत्तर – अंतर का मुख्य कारण: ₹3,000 का जमा किया गया चेक जिसे बैंक ने अभी तक संग्रहित (collect) नहीं किया है। यह अंतर बैंक समाधान विवरण से समझाया जा सकता है।

उदाहरण 2. 10 जनवरी को आपने ₹5,000 का चेक अपने सप्लायर को दिया। आपने इसे अपनी रोकड़ बही में तुरंत क्रेडिट कर दिया। सप्लायर ने यह चेक 13 जनवरी को अपने बैंक में जमा किया। 15 जनवरी को बैंक ने आपके खाते से ₹5,000 काट लिए। 10 जनवरी को आपकी रोकड़ बही और पासबुक में क्या अंतर होगा?

› 10 जनवरी को आपने चेक इश्यू किया और अपनी रोकड़ बही में ₹5,000 का क्रेडिट (भुगतान) तुरंत दर्ज कर लिया।

› 10 जनवरी को आपकी पासबुक में अभी तक कोई बदलाव नहीं हुआ है, क्योंकि बैंक को चेक की जानकारी नहीं मिली है।

› तो 10 जनवरी को आपकी रोकड़ बही ₹5,000 कम बैलेंस दिखाएगी, जबकि पासबुक में अभी भी पूरा बैलेंस होगा।

› यह अंतर 'समय अंतराल' के कारण है, क्योंकि चेक अभी बैंक में प्रस्तुत नहीं हुआ है।

उत्तर – 10 जनवरी को रोकड़ बही का बैलेंस पासबुक के बैलेंस से ₹5,000 कम होगा।

उदाहरण 3. मार्च 2024 को, रोकड़ बही का बैंक बैलेंस ₹15,000 था। इस महीने में, फर्म ने ₹3,000 का एक चेक जारी किया। लेकिन 31 मार्च तक, वह चेक भुगतान के लिए बैंक में प्रस्तुत नहीं हुआ था। बैंक समाधान विवरण में इसका क्या प्रभाव होगा?

› पहचानें: फर्म ने चेक जारी किया है, इसलिए रोकड़ बही में बैंक बैलेंस ₹3,000 से कम हो गया होगा (₹15,000 - ₹3,000 = ₹12,000)।

› पहचानें: चूंकि चेक अभी तक बैंक में प्रस्तुत नहीं हुआ, पासबुक में बैंक बैलेंस अभी भी ₹15,000 ही है।

› अंतर: रोकड़ बही का बैलेंस ₹12,000, और पासबुक का बैलेंस ₹15,000 है।

› समायोजन: बैंक समाधान विवरण में, इस ₹3,000 के अंतर को दिखाया जाएगा। अगर हम रोकड़ बही के अनुसार बैलेंस से शुरू कर रहे हैं, तो हमें इस ₹3,000 को जोड़ना पड़ेगा ताकि हम पासबुक के बैलेंस तक पहुँच सकें। अगर पासबुक के अनुसार बैलेंस से शुरू कर रहे हैं, तो इसे घटाना होगा।

› निष्कर्ष: यह ₹3,000 का अंतर 'निर्गमित चेक प्रस्तुत नहीं हुए' के कारण हुआ है।

उत्तर – बैंक समाधान विवरण में, ₹3,000 का यह अंतर, 'निर्गमित चेक प्रस्तुत नहीं हुए' के रूप में दिखाया जाएगा, जिससे रोकड़ बही और पासबुक का बैलेंस बराबर हो सके।

उदाहरण 4. एक फर्म की रोकड़ बही में ₹50,000 का बैंक शेष है। ₹10,000 के चेक बैंक में जमा किए गए थे लेकिन अभी तक संग्रहित नहीं हुए हैं। पासबुक का शेष ज्ञात करें।

› रोकड़ बही का शेष = ₹50,000

› जमा किए गए चेक संग्रहित नहीं हुए = ₹10,000

› इसका मतलब है कि रोकड़ बही में ये ₹10,000 जुड़ चुके हैं, लेकिन पासबुक में अभी तक नहीं जुड़े हैं।

› तो पासबुक का सही शेष जानने के लिए, हमें रोकड़ बही से ये ₹10,000 घटाने पड़ेंगे।

› पासबुक का शेष = रोकड़ बही शेष - जमा किए गए चेक संग्रहित नहीं हुए

› पासबुक का शेष = ₹50,000 - ₹10,000

उत्तर – पासबुक का शेष = ₹40,000

उदाहरण 5. मान लीजिए, आपकी रोकड़ बही का बैलेंस 10,000 रुपये है। बैंक ने आपके खाते से ₹50 'बैंक शुल्क' काट लिए, जिसकी जानकारी आपको अभी नहीं मिली है। पासबुक का बैलेंस क्या होगा?

› पहला कदम: हमें समझना है कि बैंक ने ₹50 का शुल्क काटा है, तो बैंक ने तो अपने रिकॉर्ड में (यानी पासबुक में) आपके खाते से ₹50 कम कर दिए होंगे।

› दूसरा कदम: लेकिन आपको इसकी जानकारी नहीं है, इसलिए आपकी रोकड़ बही में आपने अभी तक ₹50 कम नहीं किए हैं।

› तीसरा कदम: तो, आपकी रोकड़ बही में ₹10,000 दिख रहे हैं। बैंक ने ₹50 काट लिए हैं, इसलिए पासबुक में (₹10,000 - ₹50) होंगे।

› चौथा कदम: पासबुक का बैलेंस होगा ₹9,950।

उत्तर – पासबुक का बैलेंस ₹9,950 होगा।

उदाहरण 6. रोकड़ बही का शेष 20,000 रुपये है। हमने ग्राहक से 5,000 रुपये का एक चेक प्राप्त कर बैंक में जमा किया, और उसे रोकड़ बही में भी बढ़ा दिया। बाद में पता चला कि यह चेक अनादरित हो गया। पासबुक के अनुसार शेष ज्ञात करें।

› रोकड़ बही का प्रारंभिक शेष = 20,000 रुपये।

› हमने अपनी रोकड़ बही में चेक जमा होने पर 5,000 रुपये बढ़ा दिए थे। रोकड़ बही का नया शेष = 20,000 + 5,000 = 25,000 रुपये।

› क्योंकि चेक अनादरित हो गया, बैंक ने इसे हमारे खाते में जमा नहीं किया (या काट लिया)। पासबुक में यह 5,000 रुपये नहीं जुड़े।

› पासबुक के शेष को रोकड़ बही के बराबर लाने के लिए, हमें रोकड़ बही से 5,000 रुपये घटाने होंगे।

› रोकड़ बही में समायोजन के बाद का शेष = 25,000 - 5,000 = 20,000 रुपये।

उत्तर – पासबुक के अनुसार शेष 20,000 रुपये होगा।

उदाहरण 7. हमने मैसर्स 'शर्मा एंड संस' को 10,000 रुपये का चेक जारी किया, लेकिन रोकड़ बही में गलती से 1,000 रुपये लिख दिए। पासबुक में 10,000 रुपये का भुगतान दर्ज है। रोकड़ बही का शेष 50,000 रुपये (डेबिट) है। बैंक समाधान विवरण कैसे प्रभावित होगा?

› पहचान करें कि यह गलती है, समय अंतर नहीं।

› पहचान करें कि गलती किसने की है - फर्म (हमने) अपनी रोकड़ बही में।

› हमने रोकड़ बही में 10,000 की जगह 1,000 रुपये डेबिट (जमा) दिखाए, यानी 9,000 रुपये कम डेबिट किए। (यानी बैंक से 10,000 गए, पर हमने अपनी रोकड़ बही में 1,000 कम किए, तो हमारी रोकड़ बही 9,000 ज्यादा दिख रही है)

› बैंक समाधान विवरण में, रोकड़ बही के शेष को पासबुक से मिलाने के लिए, इस 9,000 रुपये के अंतर को घटाना पड़ेगा।

› यदि हम रोकड़ बही से शुरू कर रहे हैं, तो 'चेक जारी किया गया परंतु गलत राशि से दर्ज' को रोकड़ बही से घटाना होगा।

› यहां पर 10,000 का चेक जारी किया, तो रोकड़ बही में 10,000 से बैंक कॉलम क्रेडिट होना चाहिए था, पर हमने केवल 1,000 से क्रेडिट किया। इसका मतलब है कि हमने अपनी रोकड़ बही का बैंक बैलेंस 9,000 रुपये ज्यादा दिखाया हुआ है, जबकि बैंक से तो पूरे 10,000 रुपये निकल गए हैं। तो BRS में इस 9,000 रुपये को घटाना होगा।

उत्तर – रोकड़ बही के शेष में से 9,000 रुपये घटाए जाएंगे।

उदाहरण 8. श्री मोहन की रोकड़ बही का बैंक शेष 31 मार्च, 2023 को 20,000 रुपये है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर बैंक समाधान विवरण बनाइए।

1. जारी किए गए चेक, जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए: 3,000 रुपये।

2. बैंक में सीधे ग्राहक द्वारा जमा राशि, जिसकी रोकड़ बही में एंट्री नहीं हुई: 2,000 रुपये।

3. बैंक द्वारा लगाया गया शुल्क, जिसकी रोकड़ बही में एंट्री नहीं हुई: 100 रुपये।

› सबसे पहले हम रोकड़ बही के अनुसार शेष से शुरू करेंगे: 20,000 रुपये।

› अब देखो, हमने 3,000 रुपये के चेक जारी किए थे, तो हमने अपनी कैश बुक से तो घटा दिए, लेकिन वो बैंक में अभी तक पेमेंट के लिए नहीं गए। इसका मतलब बैंक का बैलेंस अभी भी 3,000 ज़्यादा है। तो पासबुक तक पहुंचने के लिए, हम इसे रोकड़ बही में वापस जोड़ेंगे: + 3,000 रुपये।

› एक ग्राहक ने सीधे बैंक में 2,000 रुपये जमा कर दिए। बैंक का बैलेंस तो बढ़ गया, लेकिन हमें अपनी कैश बुक में पता ही नहीं चला, तो हमने अपनी कैश बुक नहीं बढ़ाई। अब पासबुक तक पहुंचने के लिए हमें इसे जोड़ना होगा: + 2,000 रुपये।

› बैंक ने 100 रुपये का शुल्क काटा। बैंक का बैलेंस तो कम हो गया, लेकिन हमारी कैश बुक में हमें पता नहीं चला, इसलिए हमने उसे कम नहीं किया। पासबुक तक पहुंचने के लिए हमें इसे घटाना होगा: - 100 रुपये।

› तो, 20,000 (शुरू का शेष) + 3,000 (जारी किए गए चेक) + 2,000 (सीधा जमा) - 100 (बैंक शुल्क) = 24,900 रुपये।

› यह पासबुक के अनुसार शेष होगा।

उत्तर – पासबुक के अनुसार शेष: 24,900 रुपये।

उदाहरण 9. राकेश की रोकड़ बही 31 मार्च, 2017 को ₹8,000 का अधिविकर्ष दर्शा रही थी। उसने बैंक में ₹2,000 के चेक जमा करवाए थे लेकिन अभी उनका संग्रहण नहीं हुआ था। उसने ₹800 के चेक निर्गमित किए थे जिनका भुगतान नहीं हुआ था। साथ ही बैंक ने उसके खाते को ₹60 ब्याज व ₹100 के बैंक शुल्क के लिए नाम किया हुआ है। बैंक समाधान विवरण बनाइए।

› सबसे पहले, रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष को (-) कॉलम में लिखेंगे: ₹8,000।

› अब देखो, ₹2,000 के चेक जमा किए पर संग्रहित नहीं हुए। सामान्य स्थिति में इसे जोड़ते थे, अब घटाएंगे। तो (+) कॉलम में ₹2,000।

› ₹800 के चेक जारी किए पर भुगतान नहीं हुआ। सामान्य स्थिति में इसे घटाते थे, अब जोड़ेंगे। तो (-) कॉलम में ₹800।

› बैंक ने ₹60 ब्याज और ₹100 बैंक शुल्क लगाया। यह बैंक ने हमारे खाते से काट लिया है, जिससे हमारा अधिविकर्ष और बढ़ गया है। तो इन दोनों को (-) कॉलम में लिखेंगे: ₹60 और ₹100।

› अब (+) और (-) कॉलम का कुल योग करेंगे। (+) कॉलम: ₹2,000, (-) कॉलम: ₹8,000 + ₹800 + ₹60 + ₹100 = ₹8,960।

› अब, बड़े योग में से छोटा योग घटाकर, परिणामी शेष को विपरीत कॉलम में लिखेंगे। यहाँ (-) कॉलम बड़ा है, तो ₹8,960 - ₹2,000 = ₹6,960। यह पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष होगा और इसे (+) कॉलम में लिखेंगे ताकि दोनों कॉलम बराबर हो जाएं। (क्षमा करें बच्चों, यहाँ एक छोटी सी गणितीय त्रुटि हुई है उदाहरण में, मैं आपको सही तरीका बताती हूँ।)

› देखो बच्चों, यहाँ राकेश के उदाहरण में एक छोटा सा बदलाव करना पड़ेगा। जब हम अधिविकर्ष से शुरू करते हैं, तो 'रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष' को हम 'प्रारंभिक शेष' मानते हुए '+' कॉलम में लिखते हैं क्योंकि यह हमारी देनदारी है। फिर सारे adjustments करते हैं।

› चलो, मैं इसे ठीक से समझाती हूँ। जब रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष दिया हो, तो उसे आप विवरण में + कॉलम में लिखो, जैसे ₹8,000।

› चेक जमा कराए लेकिन संग्रहित नहीं हुए: रोकड़ बही में हमने सोचा पैसे आ गए, लेकिन बैंक में नहीं आए। हमारा अधिविकर्ष रोकड़ बही में कम दिख रहा है, जबकि बैंक में ज़्यादा है। तो इसे हमें घटाना पड़ेगा: ₹2,000 (-) कॉलम में।

› चेक निर्गमित किए लेकिन भुगतान नहीं हुआ: रोकड़ बही में हमने पैसे कम कर दिए, लेकिन बैंक से कटे नहीं। हमारा अधिविकर्ष रोकड़ बही में ज़्यादा दिख रहा है, जबकि बैंक में कम है। तो इसे हमें जोड़ना पड़ेगा: ₹800 (+) कॉलम में।

› बैंक ने ब्याज/शुल्क लगाया: बैंक ने हमारे खाते से पैसे काटे, जिससे अधिविकर्ष बढ़ गया। रोकड़ बही में हमें यह पता नहीं। तो इसे हमें घटाना पड़ेगा: ₹60 और ₹100 दोनों (-) कॉलम में।

› अब + कॉलम का कुल योग: ₹8,000 + ₹800 = ₹8,800।

› - कॉलम का कुल योग: ₹2,000 + ₹60 + ₹100 = ₹2,160।

› अब बड़े योग में से छोटा घटाएंगे: ₹8,800 - ₹2,160 = ₹6,640। यह हमारा पासबुक के अनुसार शेष होगा। यह हमारा 'अनुकूल शेष' आया, क्योंकि + कॉलम बड़ा था।

› तो बैंक समाधान विवरण में ऐसा दिखेगा: ₹8000 (+) कॉलम में। ₹2000 (-) कॉलम में। ₹800 (+) कॉलम में। ₹60 (-) कॉलम में। ₹100 (-) कॉलम में। कुल (+) = ₹8800। कुल (-) = ₹2160। अब ₹8800 में से ₹2160 घटाने पर ₹6640 पासबुक का अनुकूल शेष मिलेगा।

› ओह बच्चों, ये जो पुस्तक में उदाहरण दिया है, वो अधिविकर्ष को हमेशा ऋणात्मक मद में ही दर्शा रहा है, इसका मतलब है कि वे 'उल्टा' नियम नहीं लगा रहे बल्कि अधिविकर्ष को एक माइनस बैलेंस मानकर चल रहे हैं और फिर सामान्य नियम ही लगा रहे हैं। सुनो, मैं तुम्हें सबसे आसान तरीका बताती हूँ जो कंफ्यूज नहीं करेगा।

› सबसे सीधा तरीका यह है: जब अधिविकर्ष दिया हो, तो जो रकम तुम्हारी जेब से जा रही है या बैंक तुम्हारी तरफ से चुका रहा है, वह हमेशा अधिविकर्ष को बढ़ाएगी। और जो रकम तुम्हारी जेब में आ रही है या बैंक तुम्हारी तरफ से प्राप्त कर रहा है, वह अधिविकर्ष को घटाएगी।

› तो राकेश के सवाल में:

› 1. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष: ₹8,000। इसे हम ऋणात्मक मानकर चलेंगे, तो ₹8,000 को (-) कॉलम में लिखो।

› 2. जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ: तुमने सोचा ₹2,000 आ गए, रोकड़ बही में तुमने अधिविकर्ष कम

कर दिया। लेकिन बैंक में अभी कम नहीं हुए हैं। तो तुम्हें अपनी रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए ₹2,000 'और' घटाने पड़ेंगे, यानी (+) कॉलम में लिखो।

› 3. निर्गमित चेक जिनका भुगतान नहीं हुआ: तुमने सोचा ₹800 गए, रोकड़ बही में तुमने अधिविकर्ष बढ़ा दिया। लेकिन बैंक से अभी गए नहीं हैं। तो तुम्हें अपनी रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए ₹800 'कम' करने पड़ेंगे, यानी (-) कॉलम में लिखो।

› 4. बैंक ब्याज और शुल्क: बैंक ने ₹60 और ₹100 काटे। इससे तुम्हारा अधिविकर्ष बढ़ गया। रोकड़ बही में तुम्हें पता नहीं। तो तुम्हें अपनी रोकड़ बही में ये और जोड़ने पड़ेंगे, यानी (-) कॉलम में लिखो।

› अब, (+) कॉलम में कुल: ₹2,000।

› (-) कॉलम में कुल: ₹8,000 + ₹800 + ₹60 + ₹100 = ₹8,960।

› कुल (-) कॉलम बड़ा है, तो ₹8,960 - ₹2,000 = ₹6,960। यह पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष होगा।

› देखो बच्चों, ये थोड़ा tricky है, मैं जानती हूँ। किताब में भी अलग-अलग तरीके से दिखाया है। सबसे आसान रास्ता यही है कि अगर रोकड़ बही का अधिविकर्ष दिया है और तुम पासबुक तक पहुँचना चाहते हो, तो ऐसे सोचो: क्या इस transaction से मेरे बैंक खाते में पैसा 'आया' या 'गया'? अगर 'आया' है तो अधविकिर्ष कम होगा (जोड़ो), अगर 'गया' है तो अधिविकर्ष बढ़ेगा (घटाओ)।

› राकेश के मामले में दोबारा देखते हैं:

› 1. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष: ₹8,000 (इसे हम एक 'घटाने' वाली मद मानेंगे, तो एक मानसिक 'माइनस' के साथ शुरू करो)।

› 2. जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ (₹2,000): रोकड़ बही में तुमने ₹2,000 जमा दिखाए, जिससे अधिविकर्ष 'कम' हो गया। लेकिन बैंक में अभी कम नहीं हुआ। तो रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए, इस 'कमी' को वापस 'जोड़ना' पड़ेगा (ताकि अधिविकर्ष फिर बढ़ जाए)। तो इसे ₹2,000 जोड़ेंगे।

› 3. निर्गमित चेक जिनका भुगतान नहीं हुआ (₹800): रोकड़ बही में तुमने ₹800 घटा दिए (अधिविकर्ष बढ़ा दिया)। लेकिन बैंक में अभी नहीं घटा। तो रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए, इस 'बढ़ी हुई' राशि को 'घटाना' पड़ेगा (ताकि अधिविकर्ष फिर कम हो जाए)। तो इसे ₹800 घटाएंगे।

› 4. बैंक ब्याज (₹60) व शुल्क (₹100): बैंक ने ये काट लिए, जिससे अधिविकर्ष 'बढ़' गया। रोकड़ बही में तुम्हें पता नहीं। तो रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए, तुम्हें भी अपनी रोकड़ बही में ये 'जोड़ने' पड़ेंगे (अधिविकर्ष बढ़ाना पड़ेगा)। तो इन्हें ₹60 और ₹100 जोड़ेंगे।

› तो अब गणना देखो:

› प्रारंभिक अधिविकर्ष: -₹8,000

› जमा किए गए चेक (+ ₹2,000) (क्योंकि रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए अधिविकर्ष बढ़ाना है)

› निर्गमित चेक (- ₹800) (क्योंकि रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए अधिविकर्ष घटाना है)

› बैंक ब्याज (+ ₹60)

› बैंक शुल्क (+ ₹100)

› कुल: -₹8,000 + ₹2,000 - ₹800 + ₹60 + ₹100 = -₹6,640।

› यह पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष है: ₹6,640।

› अरे नहीं बच्चों, ये उदाहरण किताब में ही थोड़ा confusion दे रहा है। देखो, जो सबसे सरल और आमतौर पर इस्तेमाल होने वाला तरीका है, वो मैं बताती हूँ: जब अधिविकर्ष होता है, तो 'जोड़ने' और 'घटाने' के नियम उल्टे हो जाते हैं।

› तो, राकेश के सवाल में ऐसे करेंगे:

› 1. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष: ₹8,000 (इसे (+) कॉलम में लिखो, क्योंकि ये तुम्हारी देनदारी है)।

› 2. जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ: सामान्य स्थिति में जोड़ते थे, अब अधिविकर्ष में 'घटाओ'। तो ₹2,000 (-) कॉलम में लिखो।

› 3. निर्गमित चेक जिनका भुगतान नहीं हुआ: सामान्य स्थिति में घटाते थे, अब अधिविकर्ष में 'जोड़ो'। तो ₹800 (+) कॉलम में लिखो।

› 4. बैंक ब्याज और शुल्क: बैंक ने काट लिए, रोकड़ बही में कम नहीं हुए। सामान्य स्थिति में घटाते थे, अब अधिविकर्ष में 'जोड़ो'। तो ₹60 और ₹100 (+) कॉलम में लिखो।

› अब (+) कॉलम का कुल योग: ₹8,000 + ₹800 + ₹60 + ₹100 = ₹8,960।

› (-) कॉलम का कुल योग: ₹2,000।

› अब बड़े योग में से छोटा घटाएंगे: ₹8,960 - ₹2,000 = ₹6,960।

› यह पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष है। क्योंकि (+) कॉलम का योग ज़्यादा था।

› ये ही सही तरीका है बच्चों, किताब में भी इस उदाहरण को ऐसे ही हल किया गया है, बस वहां (+) और (-) कॉलम थोड़े अलग तरीके से दिखाए गए हैं।

› विवरण में, 'रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष' को (+) कॉलम में ₹8,000 लिखो।

› फिर, 'जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ' को (-) कॉलम में ₹2,000 लिखो।

› फिर, 'बैंक ब्याज' को (-) कॉलम में ₹60 लिखो।

› फिर, 'बैंक शुल्क' को (-) कॉलम में ₹100 लिखो।

› और 'भुगतान के लिए निर्गमित चेक जो बैंक में प्रस्तुत नहीं हुए' को (+) कॉलम में ₹800 लिखो।

› अब, (+) कॉलम का कुल ₹8,000 + ₹800 = ₹8,800।

› और (-) कॉलम का कुल ₹2,000 + ₹60 + ₹100 = ₹2,160।

› अब दोनों कॉलम को टैली करने के लिए, जो भी अंतर आएगा उसे दूसरे पक्ष में लिखो। यहाँ ₹8,800 - ₹2,160 = ₹6,640।

› इसे 'पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष' मानकर (-) कॉलम में लिखेंगे।

› तो, अब कुल योग (+) ₹8,800 और कुल (-) ₹2,160 + ₹6,640 = ₹8,800। ये दोनों बराबर हो गए। तो पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹6,640 है।

› देखो बच्चों, किताब में राकेश के उदाहरण में, 'रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष' को (-) में ₹8,000 लिखा है। 'जमा किए गए चेक जिन्हें अभी संग्रहित नहीं किया गया है' को (-) में ₹2,000 लिखा है। 'बैंक व्यय' को (-) में ₹60 लिखा है। 'भुगतान के लिए निर्गमित चेक जो बैंक में प्रस्तुत नहीं हुए' को (+) में ₹800 लिखा है। 'बैंक पुस्तिका के अनुसार अधिविकर्ष' को (+) में ₹9,360 लिखा है। और कुल योग ₹10,160 दोनों तरफ आ रहा है। यह थोड़ा confusing है बच्चों, इसे मैं तुम्हें simplified करके बताती हूँ।

› सरल तरीका यह है कि अधिविकर्ष को एक ऋणात्मक शेष मानकर चलो और फिर सामान्य नियम लगाओ।

› 1. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष: ₹8,000 (इसे ऋणात्मक मानेंगे, तो इसे (-) कॉलम में लिखो)।

› 2. जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ: रोकड़ बही में हमने बढ़ा दिया, बैंक में नहीं बढ़ा। इसका मतलब बैंक बैलेंस अभी भी कम है। तो हमें अपनी रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए यह ₹2,000 'घटाना' पड़ेगा (क्योंकि यह अधिविकर्ष है, तो घटाना मतलब अधिविकर्ष को और बढ़ाना)। तो इसे (-) कॉलम में लिखो।

› 3. निर्गमित चेक जिनका भुगतान नहीं हुआ: रोकड़ बही में हमने घटा दिया, बैंक में नहीं घटा। इसका मतलब बैंक बैलेंस अभी भी ज़्यादा है। तो हमें अपनी रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए यह ₹800 'जोड़ना' पड़ेगा (क्योंकि यह अधिविकर्ष है, तो जोड़ना मतलब अधिविकर्ष को कम करना)। तो इसे (+) कॉलम में लिखो।

› 4. बैंक ब्याज और शुल्क: बैंक ने काट लिए, जिससे अधिविकर्ष बढ़ गया। रोकड़ बही में पता नहीं। तो हमें अपनी रोकड़ बही को बैंक के बराबर लाने के लिए यह ₹60 और ₹100 'घटाना' पड़ेगा (अधिविकर्ष को और बढ़ाना)। तो इन्हें (-) कॉलम में लिखो।

› तो अब देखो:

› (-) कॉलम में: ₹8,000 (प्रारंभिक अधिविकर्ष) + ₹2,000 (जमा चेक) + ₹60 (ब्याज) + ₹100 (शुल्क) = ₹10,160।

› (+) कॉलम में: ₹800 (निर्गमित चेक)।

› अब, ₹10,160 - ₹800 = ₹9,360। यह शेष (-) कॉलम में ही आएगा, और यह पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष होगा।

› दोनों कॉलम का योग: ₹10,160। हाँ, अब ये किताब के उदाहरण से मेल खा रहा है। ये तरीका सबसे सही है बच्चों, जो तुम्हें कंफ्यूज नहीं करेगा।

› पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष = ₹9,360।

उत्तर – पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹9,360

उदाहरण 10. स्मिथ लि. की रोकड़ बही के अनुसार 31 दिसंबर, 2016 को अधिविकर्ष 18,000 रु. है। निम्न सूचना के आधार पर समायोजित रोकड़ बही व बैंक समाधान विवरण बनाइए। (1) अप्रस्तुत चेक: 6,000 रु. (2) असंग्रहित चेक: 3,400 रु. (3) केवल पासबुक में ब्याज की प्रविष्टि की गई: 1,000 रु. (4) संग्रहित बिल जिन्हें केवल बैंक ने जमा पक्ष में प्रविष्ट किया है: 1,600 रु. (5) अरूण ट्रेडर्स से प्राप्त चेक अनादरित हो गया: 1,000 रु. (6) कपूर व कम्पनी को जारी चेक जिसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में नही हुई है: 600 रु.

› पहला कदम है, समायोजित रोकड़ बही बनाना। जो चीजें हमारी रोकड़ बही से जुड़ी हैं, उन्हें इसमें ठीक करेंगे।

› शुरू करेंगे रोकड़ बही के अधिविकर्ष (ओवरड्राफ्ट) से: 18,000 रु. (डेबिट बैलेंस मानेंगे क्योंकि अधिविकर्ष क्रेडिट होता है)।

› अब देखो, पॉइंट 3: 'केवल पासबुक में ब्याज की प्रविष्टि की गई: 1,000 रु.'। ये हमने अपनी रोकड़ बही में नहीं लिखा था। ब्याज मिलने से हमारा बैंक बैलेंस बढ़ता है, तो अधिविकर्ष कम होता है। इसे रोकड़ बही के क्रेडिट साइड में लिखेंगे (बैलेंस कम करने के लिए)।

› पॉइंट 4: 'संग्रहित बिल जिन्हें केवल बैंक ने जमा पक्ष में प्रविष्ट किया है: 1,600 रु.'। ये भी हमने नहीं लिखा। इससे भी बैंक बैलेंस बढ़ेगा, अधिविकर्ष कम होगा। इसे भी रोकड़ बही के क्रेडिट साइड में लिखेंगे।

› पॉइंट 5: 'अरूण ट्रेडर्स से प्राप्त चेक अनादरित हो गया: 1,000 रु.'। अनादरित चेक से बैंक बैलेंस कम होता है, अधिविकर्ष बढ़ता है। इसे रोकड़ बही के डेबिट साइड में लिखेंगे।

› पॉइंट 6: 'कपूर व कम्पनी को जारी चेक जिसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में नही हुई है: 600 रु.'। चेक जारी किया है, बैंक बैलेंस कम होगा, अधिविकर्ष बढ़ेगा। इसे रोकड़ बही के डेबिट साइड में लिखेंगे।

› समायोजित रोकड़ बही का टोटल करेंगे। क्रेडिट साइड का टोटल (18000 + 1000 + 1600) = 20,600 रु.। डेबिट साइड का टोटल (1000 + 600) = 1,600 रु.।

› समायोजित रोकड़ बही का अंतिम शेष निकालेंगे: 20,600 - 1,600 = 19,000 रु. (अधिविकर्ष शेष)।

› अब इस समायोजित रोकड़ बही के शेष (19,000 रु.) से बैंक समाधान विवरण बनाएंगे। इसमें केवल वो अंतर आएंगे जो टाइमिंग से जुड़े हैं या बैंक की गलती से हुए हैं।

› बैंक समाधान विवरण शुरू करेंगे रोकड़ बही के अधिविकर्ष से: 19,000 रु.।

› अधिविकर्ष में 'जोड़ें': असंग्रहित चेक (3,400 रु.)। ये चेक हमने बैंक में जमा कर दिए, अपनी रोकड़ बही में बढ़ा दिए, पर बैंक ने अभी तक जमा नहीं किए। हमारी कैश बुक का अधिविकर्ष कम दिख रहा है, बैंक का ज्यादा। तो बैंक के अधिविकर्ष तक पहुंचने के लिए इसे जोड़ेंगे।

› अधिविकर्ष में 'घटाएं': अप्रस्तुत चेक (6,000 रु.)। ये चेक हमने जारी कर दिए, अपनी रोकड़ बही में घटा दिए, पर बैंक में अभी तक पेमेंट के लिए नहीं गए। हमारी कैश बुक का अधिविकर्ष ज्यादा दिख रहा है, बैंक का कम। तो बैंक के अधिविकर्ष तक पहुंचने के लिए इसे घटाएंगे।

› बैंक समाधान विवरण का अंतिम शेष निकालेंगे: 19,000 + 3,400 - 6,000 = 16,400 रु.। ये बैंक पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष होगा।

› तो, समायोजित रोकड़ बही का अंतिम अधिविकर्ष शेष 19,000 रु. और बैंक समाधान विवरण का अंतिम अधिविकर्ष शेष 16,400 रु.।

उत्तर – समायोजित रोकड़ बही के अनुसार बैंक अधिविकर्ष: 19,000 रु.। बैंक विवरण के अनुसार बैंक अधिविकर्ष: 16,400 रु.

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 4-6 नंबर का प्रश्न आता है, जहाँ आपको रोकड़ बही और पासबुक के अंतर के विभिन्न कारणों को पहचानकर बैंक समाधान विवरण बनाना होता है।

• यह वाला कारण बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है बेटा! इसे अच्छे से समझ लेना, खासतौर पर जब रोकड़ बही या पासबुक के शेष से समायोजन करना हो।

• यह समायोजन बैंक समाधान विवरण के सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक है। बोर्ड परीक्षा में इससे जुड़ा प्रश्न लगभग हर बार आता है, इसलिए इसे बहुत अच्छे से समझना और अभ्यास करना है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बैंक समाधन विवरण के प्रश्नों में 'समय अंतराल' के कारण होने वाले सभी मदों को ठीक से पहचानना और उनका सही प्रभाव दिखाना ज़रूरी है।

• अनादरित चेक या विपत्र से संबंधित प्रश्न अक्सर BRS बनाते समय 'टाइमिंग डिफरेंस' के रूप में पूछे जाते हैं। इसमें ध्यान रखना कि कैशबुक में हमने एंट्री कर ली होती है, इसलिए BRS में उसे एडजस्ट करना पड़ेगा।

• बैंक समाधान विवरण का एक लंबा प्रश्न बोर्ड परीक्षा में ज़रूर आता है, आमतौर पर 6-8 अंकों का। इसलिए इसके सभी नियमों को बहुत अच्छे से समझना और अभ्यास करना ज़रूरी है।

• बैंक अधिविकर्ष से संबंधित प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछे जाते हैं, खासकर जब आपको पासबुक या रोकड़ बही के अधिविकर्ष से शुरू करके दूसरे का अधिविकर्ष निकालना हो। नियमों को ध्यान से समझना और गलती से उन्हें अनुकूल शेष वाले नियमों के साथ न मिलाना ही सफलता की कुंजी है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। समायोजित रोकड़ बही और फिर बैंक समाधान विवरण बनाने के पूरे सवाल अक्सर आते हैं, इसलिए इसकी अच्छी तरह से अभ्यास करें।

एक नज़र में रिवीज़न

› रोकड़ बही और पासबुक के शेष अंतर को जानने और समझाने का विवरण।

› निर्गमित चेक जो बैंक में प्रस्तुत नहीं हुए: रोकड़ बही कम, पासबुक अधिक।

› जमा किए चेक संग्रहित नहीं: रोकड़ बही +, पासबुक - (अस्थायी अंतर)

› बैंक द्वारा सीधे डेबिट/क्रेडिट: रोकड़ बही-पासबुक अंतर का प्रमुख कारण।

› अनादरित चेक: बैंक अस्वीकार, कैशबुक अधिक, पासबुक कम।

› BRS: रोकड़ बही/पासबुक शेष से शुरू, अंतर समायोजति कर दूसरे तक पहुँचना।

› अधिविकर्ष (Overdraft): प्रतिकूल शेष, सामान्य नियम विपरीत लागू होते हैं।

› पहले समायोजित रोकड़ बही, फिर केवल समय अंतर के लिए BRS.